15/11/2020. GA — Test Geography optional.

Mission - Topper.

1. भूगोल मे विचारधाराओं के क्रमबद्ध संकल्पनाओं मे कई सिद्धांतो का व्यापक महत्वपूर्ण योगदान है, निश्चयवाद तथा संभववाद भी ऐसी ही एक विचारधारा है, जिसके द्वारा मानव व प्रकृति के मध्य संबंधो को प्रदर्शित व वर्णन किया जाता है।

* निश्चयवाद :—

निश्चयवाद या नियतिवाद ऐसी विचारधारा है, जो प्रकृति को सर्वश्रेष्ठ बताता है, इसके तहत प्रकृति ही सम्पूर्ण ब्रम्हाण्ड का सर्वेसर्वा है, तथा मानव की प्रत्येक चाल को यह निर्धारित करती है।

इस विचार धारा के अनुसार "मानव प्रकृति का दास है"। कई प्राचीन यूनानियों ने माना था कि मनुष्य के कार्य प्राकृतिक शक्तियों द्वारा नियंत्रित होते है।

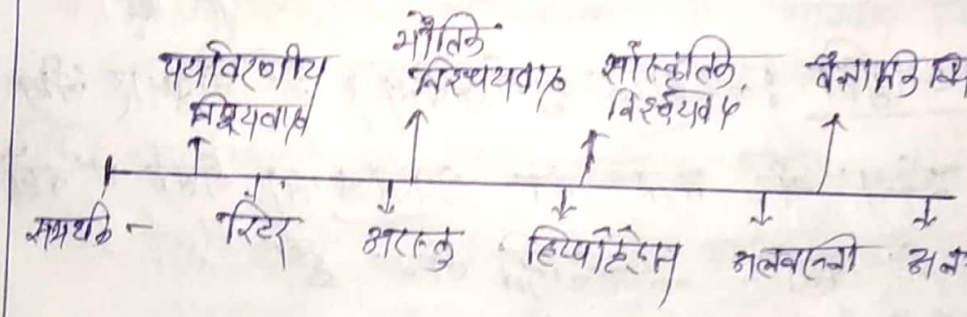




* विचारक :- विभिन्न प्रदेशो मे भूगोलवेत्ताओं ने अपने अपने विचार प्रतिपादित किए।

(1) अरस्तु :- इनके अनुसार 'पारिस्थिति यूरोप

यूरोप के ठंडे प्रदेशों के लोग शारीरिक रूप में मजबूत व साहसी प्रवृति के होते हैं, परन्तु वे दिमागी तौर पर कम चालाक होते हैं,

- वही उन्होंने उष्णकटिबंधीय प्रदेशों के लोगों के बारे में बताया कि वे शारीरिक रूप से कमजोर, आलसी तथा डरपोक प्रवृति के होते हैं। परन्तु वे अत्यंत दिमागी चालाक होते हैं।
- वही उन्होंने ग्रीस के बारे में कहा कि यहाँ के लोग शारीरिक तथा मानसिक दोनों दृष्टि से मजबूत व तेज दिमाग के होते हैं,

- हिप्पोक्रेट्स :- इनके अनुसार मानवीय क्रियाकलाप प्रकृति द्वारा निर्धारित होती है, जिस प्रदेश की जलवायु की विविधता जो होती है, वहाँ के लोग उस प्रवृति के विकसित होते हैं।

- अलमसूदी :- (अरब भूगोलवेत्ता) के अनुसार जिस प्रदेश में जल की उपलब्धता होती है, वहाँ के लोग प्रसन्नचित होते हैं,

जैसे — सिरियाई क्षेत्र।

इसीप्रकार मरुस्थल में, जहाँ पानी की कमी होती है, वहाँ के लोग चिड़चिड़े स्वभाव के होते हैं,

जैसे — सहारा, थार, कालाहारी

Scanned with CamScanner

<u>रैटजेल</u> :- इन्होंने अपनी पुस्तक एन्थ्रोपोज्योग्राफी में यह सिद्ध किया था कि भौगोलिक पर्यावरण सामान्य जीवन पद्धति को जन्म देता है।
- इसके संबंध में इन्होंने ब्रिटिश एवं जापान का उदाहरण दिया।

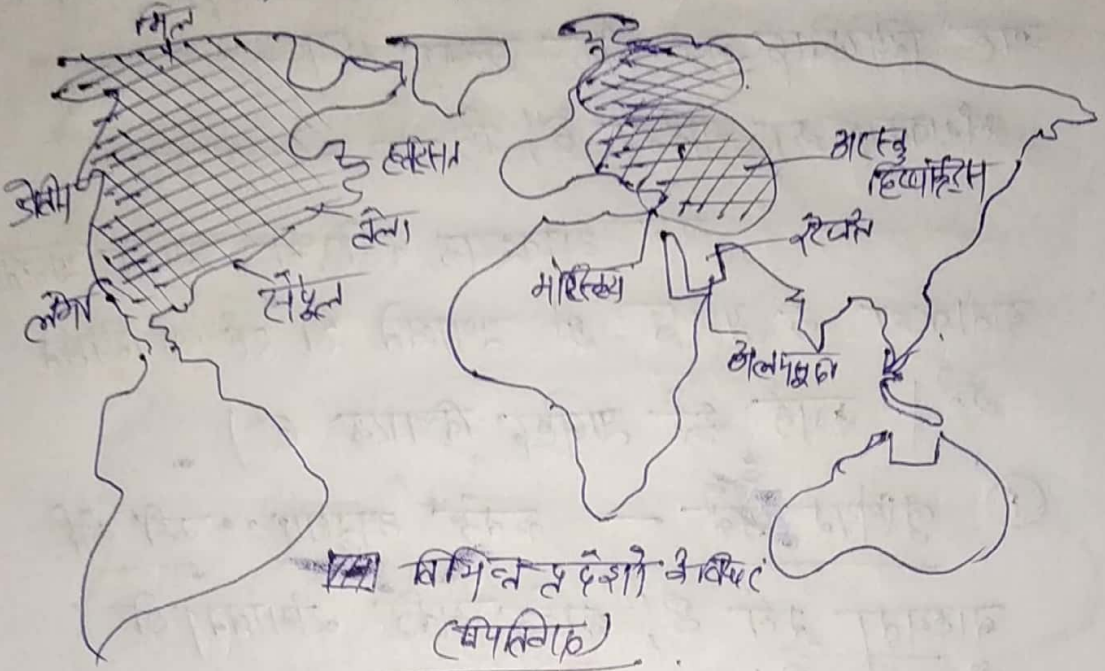




विभिन्न प्रदेशों के विचारक
(नियतिवाद)

हालाँकि कुछ संदर्भों में इस सिद्धांत की <u>आलोचना</u> भी की जा सकती है।

(i) यदि समान जलवायविक परिस्थिति में यूरोप के ब्रिटिश तथा ग्रीस लोगों के मानवीय दशा शारीरिक, मानसिक दशाएँ भिन्न क्यों है।

(ii) इसीप्रकार उ० कोरिया एवं द० कोरिया की पर्यावरणीय दशाएँ समान है, किन्तु वहाँ के राजनीतिक अंतर के कारण लोगों के रहन सहन जीवन स्तर तथा व्यवहार को निर्धारित करती है।

(iii) अमेरिकी भूगोलवेत्ता हार्टशोर्न ने अपनी पुस्तक द नेचर ऑफ ज्योग्राफी में नियतिवादियों की आलोचना की। क्योंकि यह भौतिक व मानव

Scanned with CamScanner

भूगोल की स्थापित करता है।

**संभववाद :-**

संभववाद शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग फ्रांसीसी इतिहासकार 'लुसियन फैब्रे महोदय' ने किया था। यह नियतिवाद का ठीक उल्टा है।

संभववाद का मानना है, कि —

यह आवश्यक नहीं कि मानव प्राकृतिक वातावरण के प्रयास से प्रभावित ही रहे या नियंत्रित रहे। इसके कई प्रसिद्ध विचारक है।

(i) लुसियन फैब्रे — इनके अनुसार "कहीं कोई बाध्यता नहीं है, बल्कि सर्वत्र संभावना ही संभावना है।"

(ii) विडाल डि ला ब्लाश :- इन्हें संभववाद विचार धारा का पिता भी कहा जाता है।

इनके अनुसार — यद्यपि प्रत्येक समाज प्रत्येक मनुष्य अपने पर्यावरण को प्रभावित करता है, किन्तु कौन कितना प्रभावित करेगा यह उनकी जीवन पद्धति अर्थात 'जेनेर डी वाई' पर निर्भर करता है।

— तकनीकी रूप से दक्ष समाज अपने पर्यावरण में अधिक परिवर्तन ला देता है, जबकि तकनीकि रूप से सरल समाज से परिवर्तन कम होता है।

Scanned with CamScanner

(iii) कार्ल ओ सावर :— इन्होंने सांस्कृतिक भूदृश्य की संकल्पना व्यक्त कि । इन्होंने बताया कि

- धरातल पर प्राकृतिक भूदृश्यों की अपेक्षा सांस्कृतिक भूदृश्यों की अधिक प्रधानता है, चाहे वह ग्रामीण हो या शहरी या बाग बगीच्या या खेत खलिहान




हालाँकि कई आधारों पर संभववाद की भी आलोचना की जाती है।

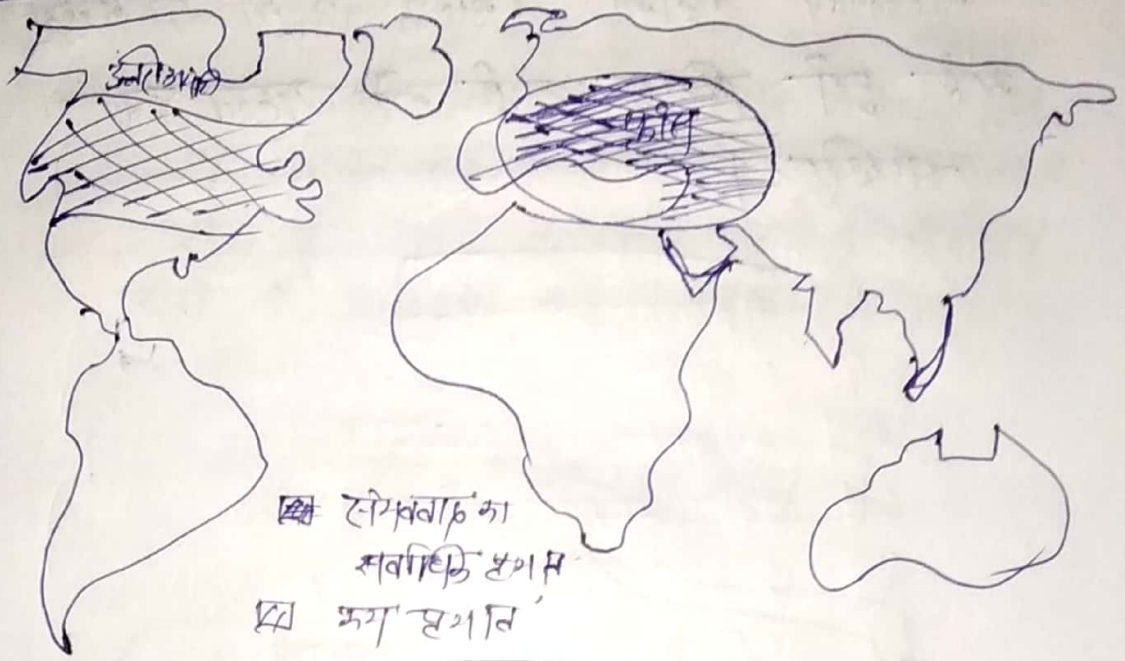

(i) यह एक अति मानव केन्द्रीत विचारधारा है, इसने मनुष्य को महान बना दिया तथा प्रकृति को अत्यंत तुच्छ बना दिया।

(ii) वस्तुतः वर्तमान समय में आज तरह-2 की पर्यावरणीय समस्याओं का बड़ा कारण कहीं न कहीं संभववाद भी है।

(iii) मानव अनेक प्राकृतिक आपदाओं के समक्ष असहाय हो जाता है, वास्तविक यही है कि मानव प्रकृति के बारे में कम जानकारी रखता

इसप्रकार निश्चयवाद तथा सम्भववाद की विचारधाराओं के वर्णन से स्पष्ट होता है, कि ब्रम्हाण्ड में मानव तथा प्रकृति दोनों महत्वपूर्ण है। अतः मानव को प्रकृति के साथ सामंजस्य रखकर प्राकृतिक कारकों को ध्यान में रखते हुये विकास कार्य को महत्व देना चाहिए।

Scanned with CamScanner